INTERNATIONAL RESEARCH JOURNAL OF HUMANITIES AND INTERDISCIPLINARY STUDIES
(Peer-reviewed, Refereed, Indexed & Open Access Journal)
DOI : 03.2021-11278686 ISSN : 2582-8568 IMPACT FACTOR : 5.828 (SJIF 2022)

आगरा मण्डल के कृषि विकास की रुपरेखा

(आठवीं व नवीं पंचवर्षीय योजना के सन्दर्भ में)

(The Structure of Development of Agriculture of Agra Region)

डॉ. पुष्पेन्द्र कुमार शर्मा
सहायक प्रोफेसर
विवेकानन्द कॉलेज ऑफ एजूकेशन, अलीगढ। (उत्तरप्रदेश, भारत)

DOI No. 03.2021-11278686 **DOI Link ::** https://doi-ds.org/doilink/06.2022-13468449/IRJHIS2206009

प्रस्तावना :

मण्डलीय स्तर पर कृषि विकास की सीमाऐं सुनिश्चित करना सरल कार्य नहीं है वास्तव में अनेक स्त्रोत से मण्डल स्तर के आर्थिक विकास को नियोजित किया जाना ही योजनाओं का मुख्य उद्‌देश्य रहा है प्रस्तुत शोध पत्र का मुख्य उद्‌देश्य आगरा मण्डल के कृषि विकास की रूप रेखा को स्पष्ट करने का प्रयास है जिसमें आठवी और नवी पंचवर्षीय योजना को आधार माना गया है।

आगरा मण्डल की अर्थव्यवस्था मुख्य रुप से समस्त प्रदेष की तरह कृषि पर आधारित है तथा मण्डल की जनसंख्या का एक वृहद भाग अपनी जीविका के लिये कृषि पर निर्भर है। खाद्यान्न के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता प्राप्त करना आर्थिक सम्पन्नता का एक प्रमुख मापदण्ड होता हैं। खाद्यान्न एवं कृषि उपजों की पूर्ति हेतु विगत पंचवर्षीय योजनाओं में कृषि विकास पर निरन्तर बल दिया जाता रहा है। समय–समय पर खाद्यान्न के उत्पादन में वृद्धि लाने एवं आत्मनिर्भरता प्राप्त करने के लिये नियोजित प्रयास तथा अभियान चलायं जाते रहे हैं। वर्तमान समय में कृषि उत्पादन में प्राप्त उपलब्धियाँ इन प्रयासों का हल हैं। मण्डल में प्रमुख कृषि उपजों का विगत वर्षों में उत्पादन निम्न प्रकार रहा है।

प्रमुख कृषि फसलों का उत्पादन (मी. टन में)

फसल	**1992—93**	**1996—97**	**2001—02**
चावल	343375	365893	381122
गेहूँ	3016496	3129404	3451541
बाजरा	654541	509698	646516
मक्का	312950	194040	253218
जौं	304626	280933	283809
ज्वार	3210	908	2748
कुल खाद्यान्न	**4645204**	**4480676**	**5018956**

दालें			
उर्द	4364	3377	3112
मूंग	20705	26986	22940
मसूर	4155	4109	4737
चना	30846	38336	27433
अरहर	38609	31286	36337
मटर	35792	33453	39829
मौंठ	36	17	23
कुल दालें	**134507**	**137584**	**134411**
तिलहन :–			
लाही	174147	213328	269197
तिल	326	702	926
मूंगफली	474	247	144
सूरजमुखी	4073	6632	2276
अन्य	11	4	5
कुल तिलहन	**179641**	**220926**	**272566**
अन्य फसलें :–			
गन्ना	1938774	1846776	1868593
आलू	1298843	2315748	2389984
तम्बाकू	61499	87837	67049
कपास	968	458	676

स्त्रोत *–सामाजिक आर्थिक आगरा मण्डल 2001–02, पृष्ठ संख्या 19.*

मण्डल के खाद्यान्न उत्पादन को देखा जाये तो वर्ष 1992–93 की तुलना में वर्ष 2001–02 में काफी वृद्धि हुई है। खाद्यान्न उत्पादन में वृद्धि या कमी मूलतः प्राकृतिक आपदाओं जिसमें सूखा, अधिक वर्षा, ओला वृष्टि आदि से प्रभावित होती है। सामान्य रुप से खाद्यान्न के अंतर्गत गेहूँ, जौं, बाजरा के उत्पादन में निरन्तर उतार चढ़ाव आता रहा है व दालों के अन्तर्गत चना, मटर, मूंग का उत्पादन सामान्य रुप से खाद्यान्न फसलों की तुलना में सन्तोषप्रद है। यद्यपि वाणिज्य फसलों में लाही, सरसों, मूँगफली, आलू का उत्पादन जो कृषकों की आय का उत्तम स्त्रोत है वह सन्तोषप्रद नही है।

भूमि जोत –

आगरा मण्डल की जोत का औसत आकार 1.20 हेक्टेयर है जबकि प्रदेष की जोत का औसत आकार 0. 90 हेक्टेयर है। इस प्रकार मण्डल का औसत जोत प्रदेश के औसत जोत से अधिक है। मण्डल में 8.50 लाख जोत 1.00 हेक्टेयर से कम तथा 2.85 लाख जोत 1.00 हेक्टेया या उससे अधिक परन्तु 2.00 हेक्टेयर से कम है। इससे स्पष्ट होता है कि मण्डल में 64.42 प्रतिषत क्रियात्मक जोत 1.00 हेक्टेयर से कम तथा 19.31 प्रतिशत क्रियात्मक जोत 10 हेक्टेयर से 1.99 हेक्टेयर के मध्य है।

कृषि उर्वरक –

कृषि विकास तथा फसलों की अधिक उपज बहुत कुछ सिचाई की सुविधाओं तथा आधुनिक तकनीकि के

प्रयोग पर निर्भर करती है यहा तक उर्वरकों का सम्बन्ध में उनका आवश्यकता के अनुकूल प्रयोग नहीं हो पा रहा है वर्ष 2001–02 में मण्डल में कुल 201027 मैट्रिक टन उर्वरकों का प्रयोग किया गया।

उत्पादकता–

कृषि की उत्पादकता, वर्षा, तापमान एवं भूमि के किस्म के ऊपर निर्भर है मण्डल का क्षेत्र विशाल होने के कारण उत्पादक के उपरोक्त तीनों घटक मण्डल के अन्तर्गत अलग–अलग स्थानों पर असमान पाये जाते है। जिसके कारण मण्डल में कुछ क्षेत्रों की उत्पादक अधिक है तो कुछ क्षेत्रों में उत्पादकता कम है। विभिन्न फसलों की उत्पादकता नीचे तालिका के अनुसार स्पष्ट है।

(औसत उपज कुन्टल प्रति हेक्टेयर)

	फसल	1992–93	1996–97	2001–02
1.	चावल	31.32	19.88	18.84
2.	गेहूँ	30.84	31.03	32.53
3.	जौ	31.88	30.45	15.82
4.	बाजरा	16.50	13.02	17.50
5.	मक्का	20.45	13.00	17.50
6.	ज्वार	5.60	3.66	7.88
7.	उर्द	5.21	4.22	4.84
8.	मूँग	3.58	4.86	5.02
9.	मसूर	8.47	7.25	7.93
10.	चना	10.06	11.70	11.86
11.	मटर	17.80	13.68	20.42
12.	अरहर	7.69	7.38	8.19
13.	मॉठ	5.30	3.87	4.10
14.	सरसों	6.12	9.45	13.23
15.	तिल	2.33	1.82	2.34
16.	मूंगफली	8.01	8.29	8.32
17.	सूरजमुखी	8.65	12.58	8.53
18.	गन्ना	398.83	559.70	603.98
19.	आलू	195.36	272.95	272.92
20.	तम्बाकू	67.84	68.39	71.79

***स्त्रोत**–सामाजिक आर्थिक समीक्षा आगरा मण्डल 2001–02 पृष्ठ संख्या 20*

कृषि उत्पादन की दृष्टि से मण्डल में रवी, खरीफ और जायद की फसलें ली जाती है। विगत कुछ वर्षो में कृषि उत्पादन की प्रवृत्ति को देखें तो ये आवास होता है कि धान के उत्पादन में क्रमशः कमी होती जा रही है। जिसका प्रमुख कारण समुचित वर्षा और सिचाई की कमी है। जहा धान के क्षेत्रफल में कमी हुई है। वही

बाजरा और गेहूँ का क्षेत्रफल लगातार बढ रहा है। इस प्रकार यह मण्डल धान, गेहूँ, जौ, मक्का, बाजरा, आलू के उत्पादन का एक प्रमुख क्षेत्र रहा है।

निष्कर्ष–

विगत पंचवर्षीय योजनाओं में कृषि विकास के लिए किये गये सघन प्रयास यद्यपि मण्डल के कृषि उत्पादन की वृद्धि में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहे है। लेकिन चौमुखी विकास और समग्र उत्थान की दृष्टि से देखा जाये तो समृद्धि मण्डल के कुछ अभिजात्य वर्ग तक ही सीमित रह गई है। विकास की किरणों का उजाला आज भी गरीब की झोपडी में प्रवेश नहीं कर सका है। वर्तमान प्रवेश में विकास को एवं सम्पन्नता को छोटे मजदूर और किसान तक पहुचाने के लिए ग्रामीण वित के समुचित प्रबन्धन की आवश्यकता है। ताकि मण्डल का लघुकृषक या सीमान्त किसान भी खेती की आधुनिकतम तकनीक का प्रयोग कर कृषि उत्पादकता में वृद्धि कर सकें। आज भी मण्डल का लघु कृषक वित्तीय सुविधाओं के अभाव में अपनी खेती की प्रक्रिया को आधुनिक रूप देने में असमर्थ रहा है। यद्यपि वित्तीय प्रबन्धन में सरकार सक्रिय भूमिका का निर्वाह कर रही है। लेकिन यह सीमान्त किसान या तो इन सुविधाओं से परिचित नहीं है या फिर उसे सरकारी सहायता प्राप्त करने में उनके कठिनाईयों का सामना करना पड रहा है। जिससे वह इन सुविधाओं से वंचित है।

संदर्भ सूची–

1. सहकारिता उत्तर प्रदेश अप्रैल 2001
2. सांख्यिकी आगरा मण्डल 1994–96, 98, 2000, 2001, 2002
3. सामाजिक आर्थिक समीक्षा आगरा मण्डल 2001–02
4. प्रतियोगिता दर्पण मार्च 1999, जुलाई 2002, मार्च 2003
5. 8 वीं पंचवर्षीय योजना 1992–97
6. 9 वीं पंचवर्षीय योजना 1997–2002
7. पी.एस.सी.क्रॉनिकल अक्टूबर 1999